# सिक्ख समाज के पर्व

लोहड़ी पर्व :→ 13 जनवरी → फसल पकने के उपलक्ष में

मकर संक्रांति → 14 जनवरी → 13 वस्तुओं का दान
↳ रूठी सास को मनाया जाता है।
↳ सूर्य उत्तरायण होने शुरू होता है।
↳ पतंग महोत्सव → जयपुर

बैशाखी पर्व | खालसा पंथ ⇒ 13 अप्रैल 1699 → गुरु गोविन्द सिंह ने रोपड़ जिले के आनन्दपुर में खालसा पंथ की स्थापना की

नोट : खालसा भूमि : वह भूमि जो राजा के नियंत्रण

↳ राज० में सर्वप्रथम जोधपुर भूमि खालसा घोषित → 1581

" " दूसरी बार " 1678 → औरंगजेब ने की

गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती : पौष शुक्ल सप्तमी

↳ गुरु ग्रन्थ साहिब को प्रमुख गुरु माना

गुरु नानक जयन्ती | गुरु पर्व → कार्तिक पूर्णिमा

**सिंधी समाज** : झुलेलाल जी की पूजा। वरूण के अवतार माने जाते है।

- **चेटीचण्ड** : चैत्रमाह मे झुलेलाल जी का जन्म
- चालिहा उत्सव : 16 जुलाई से 24 अगस्त के मध्य
- बालेड़ा | थदड़ी → भाद्रपद शुक्ल सप्तमी → ठण्डे भोजन का भाग
  - पीपल वृक्ष के नीचे चान्दी की प्रतिमा रखी जाती है झुलेलाल जी की
- **असुचण्ड** : झुलेलाल जी अन्तर्ध्यान हुये

## ईसाई समाज :

- 25 दिसम्बर क्रिसमिस डे →
- 1-जनवरी → नये वर्ष की शुरुआत
- ✓ गुड फ्राइडे : ईसा मसिहा को सुली पर लटकाया
- ✓ ईस्टर डे : ईसा मसिहा पुन: जिवित हुये
- ✓ असेन्शन डे : 40 दिन बाद ईसा मसिहा वापिस स्वर्ग चले गये

शमार्च पारसियों का नवरोज होता है।

चैत्र माह शुक्ल पक्ष :

प्रतिपदा

① एकम : बसन्तिया नवरात्रा
हिन्दु नववर्ष की शुरुआत
सतयुग का आगमन

२- द्वितीया → सिंजारा → पुत्रवधु के लिए लड़के वालो की तरफ से दिये आभूषण

३- तृतिया : गणगौर : गुलाबी गणगौर → नाथद्वारा राजसमन्द
धींगा गणगौर → मेवाड़
धींगा गवर गणगौर → मारवाड़
बिना ईसर की गणगौर → जैसलमेर

सर्वाधिक गीत

18 दिन चलता है

अष्टमी → अशोकाष्टमी | कैलाष्टमी
↳ कैला देवी का मेला → करौली
↳ लक्खी मेला कहा जाता है।

नवमी : भगवान राम का जन्म सरयू नदी के किनारे अयोध्या में

त्रयोदशी → (13) → महावीर जयन्ती → जिनेन्द्र रथ यात्रा निकाली जाती है।
↳ चान्दन गांव करौली में

पूर्णिमा | (15) → सन्त पीपा का मेला | हनुमान जयन्ती

संत पीपा → चैत्र पूर्णिमा

— ↳ गुफा → टोडा टोंक

मेला → समदड़ी गांव बाड़मेर

छतरी → गागरोण दुर्ग झालावाड़

मूल नाम → प्रताप सिंह

चैत्र कृष्ण एकम : घुलण्डी पर्व | बादशाह मेला → ब्यावर

अष्टमी → शीतला माता का मेला शील की डुंगरी चाकसू जयपुर
→ ऋषभ देव जी का मेला → धुलेव उदयपुर कोयल नदी के किनारे
→ घुड़ला नृत्य : मारवाड़ का प्रसिद्ध लोक नृत्य रात्री के समय छिद्रित मटके मे दीपक रखकर किया जाता है

एकादशी : मल्लिनाथ जी का मेला → तिलवाड़ा बालोतरा लूनी नदी के किनारे
→ जौहर मेला → चितौड़गढ → पदमनी को समर्पित है

अमावस्या : → पाबूजी महाराज का मेला → कोलुमण्ड धाम फलोदी
→ घोटिया अम्बा का मेला → बांसवाड़ा मे

## धुलण्डी पर्व → होली खेलना

- लट्ठ मार होली → करौली
- पत्थर मार " → बाड़मेर
- देवर भाभी " → ब्यावर
- कोड़ा मार " → भीनाय
- अंगारों की " → लाल सोट डोला
- डोलची मार " → बीकानेर
- राड़ रमण " → भिलुड़ा गांव डूंगरपुर
- गोबर की " → गलियाकोट → डूंगरपुर
- फूलों की " → पुष्कर | जयपुर

## वैशाख शुक्ल पक्ष :

↳ तृतीया :→ आखातीज | अबूझ सावा | परशुराम जयन्ती

↳ इस दिन सर्वाधिक बाल विवाह होते हैं।

## वैशाख पूर्णिमा :

↳ पीपल पूर्णिमा

→ बाण गंगा मेला → कोटपुतली बहरोड़ ✓

→ निम्बो का नाथ मेला → पाली ✓

→ नक्की झील का मेला → सिरोही ✓

→ मातृ कुण्डिया का मेला → हरनाथ पुरा गांव → चित्तौड़गढ़

→ बुद्ध पूर्णिमा ✓

→ गौतमेश्वर धाम | भुरिया बाबा मेला → प्रतापगढ़